कोल्हान विश्वविद्यालय, चाईबासा

झारखण्ड

सत्र 2017–2018 से प्रभावी पाठ्यक्रम

स्नातक संस्कृत – प्रतिष्ठा

अनुपूरक

पाठ्यक्रम

रूचि आधारित साख पद्धति

Choice Based Credit System

(CBCS)

U.G. Department of Sanskrit

Kolhan University, Chaibasa, Jharkhand

B.A. (Hons.) Core Subjects + Elective Subjects

स्नातक संस्कृत विभाग, कोल्हान विश्वविद्यालय, चाईबासा, झारखण्ड

स्नातक प्रतिष्ठा

Course Contents of U.G. (Hons.) Sanskrit Under Choice Based Credit System

	First Semester प्रथम समसत्र	Courses पाठ्यांश	Marks अंक	Credit	Hrs/ Week
First Semester प्रथम समसत्र	SNK (Core-1)	संस्कृत व्याकरण	100	6	5-L, 1-T
	SNK (Core-2)	संस्कृत साहित्य का इतिहास	100	6	5-L, 1-T
	AECC-I	MIL (मातृभाषा)	50	2	5-L, 1-T
	GE-1	संस्कृत व्याकरण	100	6	5-L, 1-T
Second Semester द्वितीय समसत्र	SNK (Core-3)	भारतीय दर्शन	100	6	5-L, 1-T
	SNK (Core-4)	भगवद्गीता (द्वितीय अध्याय)	100	6	5-L, 1-T
	AECC-II	पर्यावरण (Environmental Studies)	50	2	5-L, 1-T
	GE-2	संस्कृत साहित्य का इतिहास	100	6	5-L, 1-T
Third Semester तृतीय समसत्र	SNK (Core-5)	पद्य काव्य	100	6	5-L, 1-T
	SNK (Core-6)	नाट्य	100	6	5-L, 1-T
	SNK (Core-7)	गद्य काव्य	100	6	5-L, 1-T
	GE-3	भगवद्गीता (द्वितीय अध्याय)	100	6	5-L, 1-T
	SEC-III	झारखण्ड की संस्कृति और इतिहास	50	2	
Fourth Semester चतुर्थ समसत्र	SNK (Core-8)	वेद	100	6	5-L, 1-T
	SNK (Core-9)	काव्यशास्त्र	100	6	5-L, 1-T
	SNK (Core-10)	उपनिषद्	100	6	5-L, 1-T
	SEC-2	व्यक्तित्त्व विकास (Personality Development)	50	2	
	GE-4	गद्य काव्य	100	6	5-L, 1-T

	First Semester प्रथम समसत्र	Courses पाठ्यांश	Marks अंक	Credit	Hrs/ Week
Fifth Semester पंचम समसत्र	SNK (Core-11)	ज्योतिष, वेदांग	100	6	5-L, 1-T
	SNK (Core-12)	भाषा विज्ञान	100	6	5-L, 1-T
	DSE-1A or DSE-1B	दर्शन सोलह संस्कार, आश्रम	100	6	5-L, 1-T
	DSE-2A or DSE-2B	हितोपदेश कारक प्र०, संधि प्र०	100	6	5-L, 1-T
Sixth Semester षष्ठ समसत्र	SNK (Core-13)	निबंध, अनुवाद	100	6	5-L, 1-T
	SNK (Core-14)	वैदिक साहित्य का इतिहास	100	6	5-L, 1-T
	DSE-3A or DSE-3B	छन्द, पत्र लेखन आधुनिक संस्कृत साहित्य	100	6	5-L, 1-T
	DSE-4	परियोजना Project Work	100	6	10
TOTAL CREDIT				**140**	

कोल्हान विश्वविद्यालय, चाईबासा

बी०ए० संस्कृत (प्रतिष्ठा) प्रथम समसत्र

B.A. Sanskrit (Hons.) First Semester (Sub.)

Credit : 5+1 = 6

SAN-Core-01 **पूर्णांक–100**

प्रथम पत्र

परीक्षा की अवधि – 3 घंटे
अंक – 70
व्याख्यान प्रति सप्ताह
घंटे : 5–L, 1-T

संस्कृत व्याकरण एवं व्याकरण शास्त्र का इतिहास

संस्कृत व्याकरण एवं व्याकरण शास्त्र का इतिहास–इस पत्र में कुल 08 प्रश्न पूछे जायेंगे, जिनमें चार प्रश्नों के उत्तर देय होंगे। प्रश्न संख्या–एक अनिवार्य है।

पाठ्यक्रम :–

1) शब्द रूप :– देव, कवि, भानु, पितृ, लता, मति, नदी, धेनु, वधू, मातृ, फल, वारि, मधु, मरूत्, आत्मन, सर्व, तद्, एतद्, यद्, इदम्, जगत्, अस्मद् तथा युष्मद्।
2) धातु रूप :– लट्, लोट्, लङ्, विधिलिङ् एवं लृट् लकार में।
   पाठ्य धातु :– पठ्, पच्, भू, कृ, अस्, अद्, इन, हू, दिव्, रूध्, क्री, चुर् तथा सेव्।
3) हिन्दी से संस्कृत अनुवाद, संस्कृत से हिन्दी अनुवाद।
4) संस्कृत शास्त्रों का इतिहास (त्रिमुनि व्याकरण)

प्रश्न चयन संबंधी निर्देश :–
सभी प्रश्नों के उत्तर दें।

1) प्रथम प्रश्न में सम्पूर्ण पाठ्यक्रम से वस्तुनिष्ठ दस प्रश्न पूछे जायेंगे। 1×10= 10
2) द्वितीय प्रश्न में किन्हीं दो विभक्तियों (कारकों) में पाँच शब्दों के रूप देय होंगे, दस (10) शब्द पूछे जायेंगे। 5×3=15
3) तृतीय प्रश्न में किसीएक लकार में पाँच धातुओं के रूप देय होंगे–दस (10) धातुएँ पूछी जायेंगी। 5×3= 15
4) चतुर्थ प्रश्न में किसी एक अनुच्छेद का हिन्दी से संस्कृत तथा एक अनुच्छेद का संस्कृत से हिन्दी अनुवाद करें, दोनों से दो–दो अनुच्छेद पूछे जायेंगे। 2 × 7½ = 15
5) पाँचवें प्रश्न में संस्कृत शास्त्रों के इतिहास से चार आलोचनात्मक प्रश्न पूछे जायेंगे। एक का उत्तर देय है। 15

अनुशंसित पुस्तकें :–

1) संस्कृत में अनुवाद कैसे करें – उमाकान्त मिश्र शास्त्री, प्र० भारती भवन, पटना।
2) संस्कृत व्याकरण – श्रीधर वरिष्ठ
3) वृहत् अनुवाद चन्द्रिका – चक्रधर हंस नौटियाल मोतीलाल, बनारसीदास, दिल्ली।
4) संस्कृत शास्त्रों का इतिहास – आचार्य बलदेव उपाध्याय।

आन्तरिक मूल्यांकन–30 अंक

कोल्हान विश्वविद्यालय, चाईबासा

बी०ए० संस्कृत (प्रतिष्ठा) पंचम समसत्र

B.A. Sanskrit (Hons.) Fifth Semester

Credit : 5+1 = 6
SAN-Core-02 पूर्णांक–100

द्वितीय पत्र

परीक्षा की अवधि – 3 घंटे
अंक – 70
व्याख्यान प्रति सप्ताह
घंटे : 5–L, 1-T

इस पत्र में कुल 08 प्रश्न पूछे जाएँगें, जिनमें चार प्रश्नों के उत्तर देय होंगे। प्रश्न संख्या–01 (एक) अनिवार्य है।

पाठ्यक्रम :–

1) संस्कृत साहित्य का इतिहास
(रामायण, महाभारत, पुराण, गीति काव्य एवं गद्य काव्य और चम्पूकाव्य)

प्रश्न चयन संबंधी निर्देश :–

1) सम्पूर्ण पाठ्यांश से दस वस्तुनिष्ठ प्रश्न पूछे जायेंगे। 10 × 1 = 10

2) "रामायण" से दो आलोचनात्कक प्रश्न पूछे जायेंगे, किसी एक का उत्तर देय है। 15

3) "महाभारत" से दो आलोचनात्मक प्रश्न पूछे जायेंगे, एक का उत्तर देय है। 15

4) गद्य काव्य एवं गीतिकाव्य से दो प्रश्न पूछे जायेंगे, किसी एक का उत्तर देय है। 15

5) सम्पूर्ण पाठ्यांश से चार आलोचनात्मक प्रश्न पूछे जायेंगे, किसी एक का उत्तर दें। 15

अनुशंसित पुस्तकें :–

1) संस्कृत साहित्य का इतिहास – आचार्य बलदेव उपाध्याय, मोतीलाल बनारसी दास।

2) संस्कृत साहित्य का इतिहास – वाचस्पति गैरोला–मोतीलाल बनारीसी दास।

आन्तरिक मूल्यांकन–30 अंक

कोल्हान विश्वविद्यालय, चाईबासा

स्नातक–संस्कृत

B.A. Sanskrit (Sub)

संस्कृत अनुपूरक पाठ्यक्रम

Credit : 5+1 = 6

SAN-GE-01 **पूर्णांक–100**

व्याकरण **GE-01** **परीक्षा की अवधि – 3 घंटे**

अंक – 70

व्याख्यान प्रति सप्ताह

घंटे : 5–L, 1-T

संस्कृत व्याकरण एवं व्याकरण शास्त्र का इतिहास–इस पत्र में कुल आठ (8) पुश्न पूछे जायेंगे, जिनमें से चार (4) प्रश्नों के उत्तर देय होंगे। प्रश्न संख्या–1 (एक) अनिवार्य है।

पाठ्यक्रम :–

1) शब्द रूप – देव, कवि, भानु, पितृ, लता, मति, नदी, धेनु, वधू, मातृ, फल, वारि, मधु, मरूत्, आत्मन, सर्व, तद्, एतद्, यद्, इदम्, जगत्, अस्मद् तथा युष्मद्।
2) धातु रूप – लट्, लोट्, लङ्, विधिलिङ् एवं लृट् लकार में।
   पाठ्य धातु – पठ्, पच्, भू, कृ, अस्, अद्, इन, हू, दिव्, रूधृ, क्री, चुर तथा सेव्।
3) हिन्दी से संस्कृत अनुवाद, संस्कृत से हिन्दी अनुवाद।
4) संस्कृत शास्त्रों का इतिहास (त्रिमुनि व्याकरण)

प्रश्न चयन संबंधी निर्देश :–
सभी प्रश्नों के उत्तर दें।

1) प्रथम प्रश्न में सम्पूर्ण पाठ्यक्रम से वस्तुनिष्ठ दस प्रश्न पूछे जायेंगे। 1×10= 10
2) द्वितीय प्रश्न में किन्हीं दो विभक्तियों (कारकों) में पाँच शब्दों के रूप देय होंगे। दस (10) शब्द पूछे जायेंगे। 3×5=15
3) तृतीय प्रश्न में किसी एक लकार में पाँच धातुओं के रूप देय होंगे–दस (10) धातुएँ पूछी जायेंगी। 3×5=15
4) चतुर्थ प्रश्न में किसी एक अनुच्छेद का हिन्दी से संस्कृत तथा एक अनुच्छेद का संस्कृत से हिन्दी अनुवाद करें, दोनों से दो–दो अनुच्छेद पूछे जायेंगे। 2 × 7½ = 15
5) पाँचवें प्रश्न में संस्कृत शास्त्रों के इतिहास से चार आलोचनात्मक प्रश्न पूछे जायेंगे। एक का उत्तर देय है। 15

अनुशंसित पुस्तकें :–

1) संस्कृत में अनुवाद कैसे करें – उमाकान्त मिश्र शास्त्री, प्र० प्रभार भवन, पटना।
2) संस्कृत व्याकरण – श्रीधर वरिष्ठ
3) वृहत् अनुवाद चन्द्रिका – चक्रधर हंस नौटियाल मोतीलाल, बनारसीदास, दिल्ली।
4) संस्कृत शास्त्रों का इतिहास – आचार्य बलदेव उपाध्याय

आन्तरिक मूल्यांकन–30 अंक

कोल्हान विश्वविद्यालय, चाईबासा

बी०ए० संस्कृत (प्रतिष्ठा) द्वितीय समसत्र

B.A. Sanskrit (Hons.) Second Semester

Credit : 5+1 = 6
SAN-Core-03 **पूर्णांक–100**

<u>तृतीय पत्र</u>

परीक्षा की अवधि – 3 घंटे
अंक – 70
व्याख्यान प्रति सप्ताह
घंटे : 5–L, 1-T

इस पत्र में कुल 08 प्रश्न पूछे जायेंगे, जिनमें चार प्रश्नों के उत्तर देय होंगे। प्रश्न संख्या–01 (एक) अनिवार्य है।

<u>पाठ्य :–</u> भारतीय दर्शन
(आस्तिक दर्शन एवं नास्तिक दर्शन)

प्रश्न चयन संबंधी निर्देश :–

1) आस्तिक दर्शन से दस वस्तुनिष्ठ (रिक्त स्थानों की पूर्त्ति) प्रश्न पूछे जायेंगे। 10
2) नास्तिक दर्शन से तीन आलोचनात्मक प्रश्न पूछे जायेंगे, किसी एक का उत्तर देय। 15
3) आस्तिक दर्शन से किन्हीं दो पर टिप्पणियाँ लिखनी है। 2 × 7½ = 15
4) नास्तिक दर्शन से किन्हीं दो पर टिप्पणियाँ लिखनी है। चार टिप्पणियाँ दी जायेंगी। 2 × 7½ = 15
5) आस्तिक और नास्तिक दर्शन से चार आलोचनात्मक प्रश्न पूछे जायेंगे, किसी एक का उत्तर देय है। 15

<u>अनुशंसित पुस्तकें :–</u>

भारतीय दर्शन शास्त्र – आ० बलदेव उपाध्याय–मोतीलाल बनारसी दास।

आन्तरिक मूल्यांकन–30 अंक

कोल्हान विश्वविद्यालय, चाईबासा

बी०ए० संस्कृत (प्रतिष्ठा) द्वितीय समसत्र

B.A. Sanskrit (Hons.) Second Semester

Credit : 5+1 = 6
SAN-H-C-04 **पूर्णांक–100**

चतुर्थ पत्र

परीक्षा की अवधि – 3 घंटे
अंक – 70
व्याख्यान प्रति सप्ताह
घंटे : 5–L, 1-T

इस पत्र में कुल 08 प्रश्न पूछे जायेंगे, जिनमें पाँच प्रश्नों के उत्तर देय होंगे। प्रश्न संख्या–01 (एक) अनिवार्य है।

पाठ्य :– **श्रीमद्भगवद्गीता**
(द्वितीय अध्याय)

प्रश्न चयन संबंधी निर्देश :–

1) श्रीमद्भगवद्गीता के द्वितीय अध्याय से दस वस्तुनिष्ठ (रिक्त स्थानों की पूर्त्ति) सभी प्रश्नों के उत्तर देय है। 10 × 1 = 10

2) श्रीमद्भगवद्गीता के द्वितीय अध्याय से आठ लघूत्तरीय प्रश्न पूछे जायेंगे। जिन्में पाँच का उत्तर देय है। 5 × 3 = 15

3) गीता के द्वितीय अध्याय से चार श्लोकों की संस्कृत व्याख्या पूछी जायेंगी। जिसमें दो की व्याख्या अनिवार्य है। 2 × 7½ = 15

4) गीता के द्वितीय अध्याय से छः श्लोक पूछे जायेंगे, जिनमें तीन श्लोकों का हिन्दी अनुवाद अपेक्षित है। 5 × 3 = 15

5) गीता के द्वितीय अध्याय से चार आलोचात्मक प्रश्न पूछे जायेंगे। जिनमें एक का उत्तर देय है। 15

आन्तरिक मूल्यांकन–30 अंक

कोल्हान विश्वविद्यालय, चाईबासा

बी०ए० संस्कृत (प्रतिष्ठा) द्वितीय समसत्र

B.A. Sanskrit (Hons.) Second Semester

Credit : 5+1 = 6

SAN-Core-03 **पूर्णांक–100**

तृतीय पत्र

परीक्षा की अवधि – 3 घंटे
अंक – 70
व्याख्यान प्रति सप्ताह
घंटे : 5–L, 1-T

इस पत्र में कुल 08 प्रश्न पूछे जाएँगें, जिनमें चार प्रश्नों के उत्तर देय होंगे। प्रश्न संख्या–01 (एक) अनिवार्य है।

पाठ्य :– भारतीय दर्शन
(आस्तिक दर्शन एवं नास्तिक दर्शन)

प्रश्न चयन संबंधी निर्देश :–

1) आस्तिक दर्शन से दस वस्तुनिष्ठ (रिक्त स्थानों की पूर्ति) प्रश्न पूछे जायेंगे। 10

2) नास्तिक दर्शन से तीन आलोचनात्मक प्रश्न पूछे जायेंगे, किसी एक का उत्तर देय। 15

3) आस्तिक दर्शन से किन्हीं दो पर टिप्पणियाँ लिखनी है। 2 × 7½ = 15

4) नास्तिक दर्शन से किन्हीं दो पर टिप्पणियाँ लिखनी है। चार टिप्पणियाँ दी जायेंगी। 2 × 7½ = 15

5) आस्तिक और नास्तिक दर्शन से चार आलोचनात्मक प्रश्न पूछे जायेंगे, किसी एक का उत्तर देय है। 15

अनुशंसित पुस्तकें :–

भारतीय दर्शन शास्त्र – आ० बलदेव उपाध्याय–मोतीलाल बनारसी दास।

आन्तरिक मूल्यांकन–30 अंक

कोल्हान विश्वविद्यालय, चाईबासा

बी०ए० संस्कृत (अनुपूरक) द्वितीय समसत्र

B.A. Sanskrit (SUB) Second Semester

Credit : 5+1
SAN-GE-02 पूर्णांक–100

GE-02

परीक्षा की अवधि – 3 घंटे
अंक – 70
व्याख्यान प्रति सप्ताह
घंटे : 5–L, 1-T

संस्कृत साहित्य का इतिहास

इस पत्र में कुल 08 प्रश्न पूछे जाएँगें, जिनमें चार प्रश्नों के उत्तर देय होंगे। प्रश्न संख्या–01 (एक) अनिवार्य है।

पाठ्यक्रम :–

1) संस्कृत साहित्य का इतिहास।
(रामायण, महाभारत, महाकाव्य एवं गद्य काव्य)

प्रश्न चयन संबंधी निर्देश :–
सभी प्रश्नों के उत्तर दें।

1) प्रथम प्रश्न सम्पूर्ण पाठ्यक्रम पर आधारित वस्तुनिष्ठ दस (10) प्रश्न पूछे जायेंगे। 10×1=10
2) द्वितीय प्रश्न में कुल पाँच टिप्पणियाँ लिखनी है। कुल आठ टिप्पणियाँ पूछी जायेंगी। 3×5=15
3) तृतीय प्रश्न में रामायण तथा महाभारत से दो आलोचनात्मक प्रश्न पूछे जायेंगे। एक का उत्तर देना अपेक्षित होगा। 15
4) चतुर्थ प्रश्न में महाकाव्य एवं गद्य काव्य से दो प्रश्नो के उत्तर देय होंगे। चार प्रश्न पूछे जायेंगे। 2 × 7½ = 15
5) पाँचवें से आठवें प्रश्न में सम्पूर्ण पाठ्यांश पर आधारित चार आलोचनात्मक प्रश्न पूछे जायेंगे। एक का उत्तर देय है। 15

अनुशंस्ति पुस्तकें :–

1) संस्कृत साहित्य का इतिहास – आचार्य बलदेव उपाध्याय।
2) संस्कृत साहित्य का इतिहास – वचस्पति गैरोला।

आन्तरिक मूल्यांकन–30 अंक

कोल्हान विश्वविद्यालय, चाईबासा

बी०ए० संस्कृत (प्रतिष्ठा) तृतीय समसत्र

B.A. Sanskrit (Hons.) Third Semester

Credit : 5+1 = 6

SAN-H-C-05 **पूर्णांक–100**

पंचम पत्र

परीक्षा की अवधि – 3 घंटे
अंक – 70
व्याख्यान प्रति सप्ताह
घंटे : 5–L, 1-T

पद्य काव्य

इस पत्र में कुल 08 प्रश्न पूछे जायेंगे, जिनमें पाँच प्रश्नों के उत्तर देय होंगे। प्रश्न संख्या–01 (एक) अनिवार्य है।

पाठ्यक्रम :–

1) किरातार्जुनीयम् (प्रथम सर्ग) 40 श्लोक तक।
2) मेघदूत (पूर्वमेघ)–उज्जयिनी वर्णन पर्यन्त।

प्रश्न चयन संबंधी निर्देश :–

1) प्रथम प्रश्न सम्पूर्ण पाठ्य पर आधारित वस्तुनिष्ठ (रिक्त स्थानों की पूर्त्ति) दस (10) प्रश्न पूछे जायेंगे। 10 × 1 = 10

2) द्वितीय प्रश्न में किरातार्जुनीयम् से दो श्लोक की संस्कृत व्याख्या करनी है। चार श्लोक पूछे जायेंगे। 2 × 7½ = 15

3) तृतीय प्रश्न में पूर्वमेघ से दो श्लोक की संस्कृत व्याख्या करनी है। चार श्लोक पूछे जायेंगे। 2 × 7½ = 15

4) चतुर्थ प्रश्न में उपर्युक्त दोनों ग्रंथों से पाँच श्लोकों के अर्थ लिखने हैं। कुल आठ श्लोक पूछे जायेंगे। 5 × 3 = 15

5) पाँचवें प्रश्न में उपर्युक्त दोनों ग्रंथों से चार आलोचनात्मक प्रश्न पूछे जायेंगे। एक का उत्तर देय है। 15

आन्तरिक मूल्यांकन–30 अंक

कोल्हान विश्वविद्यालय, चाईबासा

बी०ए० संस्कृत (प्रतिष्ठा) तृतीय समसत्र

B.A. Sanskrit (Hons.) Third Semester

Credit : 5+1 = 6

SAN-H-C-06 **पूर्णांक–100**

पूर्णांक–70 **<u>षष्ठ पत्र</u>**

परीक्षा की अवधि – 3 घंटे
अंक – 70
व्याख्यान प्रति सप्ताह
घंटे : 5–L, 1-T

नाट्य

इस पत्र में कुल 08 प्रश्न पूछे जायेंगे, जिनमें पाँच प्रश्नों के उत्तर देय होंगे। प्रश्न संख्या–01 (एक) अनिवार्य है।

पाठ्यक्रम :–

1) प्रतिमानाटकम्
2) अभिज्ञानशाकुन्तलम् (1 से 4 अंक)

प्रश्न चयन संबंधी निर्देश :–

1) प्रथम प्रश्न सम्पूर्ण पाठ्य पर आधारित वस्तुनिष्ठ दस (10) प्रश्न पूछे जायेंगे। 10×1=10

2) द्वितीय प्रश्न में प्रतिमानाटकम् से दो श्लोक की संस्कृत व्याख्या करनी है। चार श्लोक पूछे जायेंगे। 2 × 7½ = 15

3) तृतीय प्रश्न में अभिज्ञानशाकुन्तलम् से दो श्लोक की संस्कृत व्याख्या करनी है। चार श्लोक पूछे जायेंगे। 2 × 7½ = 15

4) चतुर्थ प्रश्न में उपर्युक्त दोनों ग्रंथों से पाँच श्लोकों के अर्थ लिखने हैं। कुल आठ श्लोक पूछे जायेंगे। 5 × 3 = 15

5) पाँचवें प्रश्न में उपर्युक्त दोनों ग्रंथों से दो–दो कुल चार आलोचनात्मक प्रश्न पूछे जायेंगे। एक का उत्तर देय है। 15

आन्तरिक मूल्यांकन–30 अंक

कोल्हान विश्वविद्यालय, चाईबासा

बी०ए० संस्कृत (प्रतिष्ठा) तृतीय समसत्र

B.A. Sanskrit (Hons.) Third Semester

Credit : 5+1 = 6

SAN-H-C-07 **पूर्णांक–100**

पूर्णांक–70 **सप्तम पत्र**

परीक्षा की अवधि – 3 घंटे
अंक – 70
व्याख्यान प्रति सप्ताह
घंटे : 5–L, 1-T

गद्य काव्य

इस पत्र में कुल 08 प्रश्न पूछे जायेंगे, जिनमें पाँच प्रश्नों के उत्तर देय होंगे। प्रश्न संख्या–01 (एक) अनिवार्य है।

पाठ्यक्रम :–

1) शिवराजविजय (प्रथम निःश्वास) – (प० अम्बिकादत्त व्यास)
2) कादम्बरी (शुकनोसापदेश) – (बाणभट्ट प्रणीत)

प्रश्न चयन संबंधी निर्देश :–

1) प्रथम प्रश्न सम्पूर्ण पाठ्य पर आधारित वस्तुनिष्ठ दस (10) प्रश्न पूछे जायेंगे। सभी का उत्तर देय है। 10×1=10

2) द्वितीय प्रश्न में शिवराजविजय के पाठ्यांश से दो अंशों की संस्कृत व्याख्या अपेक्षित होगी। चार अंश पूछे जायेंगे। 2 × 7½ = 15

3) तृतीय प्रश्न में शुकनोसापदेश से दो टिप्पणियाँ अपेक्षित होगी। चार टिप्पणियाँ पूछी जायेंगी। 2 × 7½ = 15

4) चतुर्थ प्रश्न में काव्य, कवि एवं पात्रों तथा घटनाओं पर आधारित पाँच लघूत्तरीय प्रश्नों के उत्तर देय होंगे। आठ प्रश्न पूछे जायेंगे। 5 × 3 = 15

5) पाँचवें प्रश्न में शुकनोसापदेश से दो और शिवराजविजय से दो आलोचनात्मक प्रश्न पूछे जायेंगे। एक का उत्तर देय है। 15

आन्तरिक मूल्यांकन–30 अंक

कोल्हान विश्वविद्यालय, चाईबासा

बी०ए० संस्कृत (अनुपूरक) तृतीय समसत्र

B.A. Sanskrit (SUB) Third Semester

Credit : 5+1
SAN-GE-03 **पूर्णांक–100**

GE-03

परीक्षा की अवधि – 3 घंटे
अंक – 70
व्याख्यान प्रति सप्ताह
घंटे : 5–L, 1-T

भगवद्गीता

इस पत्र में कुल 08 प्रश्न पूछे जायेंगे, जिनमें चार प्रश्नों के उत्तर देय होंगे। प्रश्न संख्या–01 (एक) अनिवार्य है।

पाठ्यक्रम :–

1) भगवद्गीता (द्वितीय अध्याय)

प्रश्न चयन संबंधी निर्देश :–
सभी प्रश्नों के उत्तर दें।

1) प्रथम प्रश्न सम्पूर्ण पाठ्यक्रम पर आधारित वस्तुनिष्ठ दस (10) प्रश्न पूछे जायेंगे अथवा दस रिक्त स्थानों की पूर्त्ति दी जाएगी। $10 \times 1 = 10$

2) भगवद्गीता से दो आलोचनात्मक प्रश्न पूछे जायेंगे। एक का उत्तर देना देय है। 15

3) तृतीय प्रश्न में भगवद्गीता से दो श्लोकों की हिन्दी व्याख्या करनी है। चार श्लोक पूछे जायेंगे। $2 \times 7½ = 15$

4) चतुर्थ प्रश्न में पाठ्यांश से पाँच श्लोकों का अनुवाद अपेक्षित होगा। आठ श्लोक पूछे जायेंगे। $5 \times 3 = 15$

5) पाँचवें प्रश्न में पूर्ण पाठ्यांश से कुल चार प्रश्न पूछे जाँयेंगे। एक का उत्तर देय है। 15

आन्तरिक मूल्यांकन–30 अंक

कोल्हान विश्वविद्यालय, चाईबासा

बी०ए० संस्कृत (प्रतिष्ठा) चतुर्थ समसत्र

B.A. Sanskrit (Hons.) Fourth Semester

Credit : 5+1 = 6

SAN-H-C-08 **पूर्णांक–100**

अष्टम् पत्र

परीक्षा की अवधि – 3 घंटे
अंक – 70
व्याख्यान प्रति सप्ताह
घंटे : 5–L, 1-T

वेद

इस पत्र में कुल 08 प्रश्न पूछे जायेंगे, जिनमें पाँच प्रश्नों के उत्तर देय होंगे। प्रश्न संख्या–01 (एक) अनिवार्य है।

पाठ्यक्रम :–

1) न्यू वैदिक सेलेक्शन भाग–II

(तैलंग एवं चौबे)	–	भारतीय विद्या प्रकाशन, वाराणसी।
ऋग्वेद	–	इन्द्र (1.32), सूर्य (1.115), अग्नि (1.143)
शुक्ल यजुर्वेद	–	शिवसंकल्प xxxiv – 1.6
अथर्ववेद	–	राष्ट्राभिवर्द्धनम् III.29

प्रश्न चयन संबंधी निर्देश :–

1) प्रथम प्रश्न सम्पूर्ण पाठ्य पर आधारित वस्तुनिष्ठ (रिक्त स्थानों की पूर्त्ति) दस (10) प्रश्न पूछे जायेंगे। 10×1=10

2) द्वितीय प्रश्न में ऋग्वेद एवं शुक्ल यजुर्वेद के निर्धारित पाठ्यांश से दो मंत्रों की संस्कृत व्याख्या अपेक्षित होगी। चार मंत्र पूछे जायेंगे। 2 × 7½ = 15

3) तृतीय प्रश्न में उक्त दोनों वेदों के पाठ्यांश से पाँच मंत्रों का हिन्दी अनुवाद अपेक्षित होगा। आठ मंत्र पूछे जायेंगे। 5 × 3 = 15

4) चतुर्थ प्रश्न में अथर्ववेद से पाँच मंत्रों का अर्थ अपेक्षित है। कुल आठ मंत्र पूछी जायेगी। 5 × 3 = 15

5) पाँचवें प्रश्न में उपर्युक्त पाठ्यांश पर आधारित चार देवताओं के परिचय पूछे जायेंगे। किन्हीं एक देवता का परिचय देय है। 2 × 7½ = 15

आन्तरिक मूल्यांकन–30 अंक

कोल्हान विश्वविद्यालय, चाईबासा

बी०ए० संस्कृत (प्रतिष्ठा) चतुर्थ समसत्र

B.A. Sanskrit (Hons.) Fourth Semester

Credit : 5+1 = 6

SAN-H-Core-09 **पूर्णांक–100**

नवम पत्र

परीक्षा की अवधि – 3 घंटे
अंक – 70
व्याख्यान प्रति सप्ताह
घंटे : 5–L, 1-T

काव्यशास्त्र

इस पत्र में कुल 08 प्रश्न पूछे जायेंगे, जिनमें पाँच प्रश्नों के उत्तर देय होंगे। प्रश्न संख्या–01 (एक) अनिवार्य है।

पाठ्यक्रम :–

1) काव्यदीपिका

प्रश्न चयन संबंधी निर्देश :–

1) प्रथम प्रश्न में सम्पूर्ण पाठ्य पर आधारित वस्तुनिष्ठ दस (10) प्रश्न पूछे जायेंगे। 10×1=10

2) द्वितीय प्रश्न में काव्यदीपिका से दो अलंकारों के लक्षण एवं उदाहरण अपेक्षित हैं। चार अलंकार पूछे जायेंगे। 2 × 7½ = 15

3) तृतीय प्रश्न में प्रथम शिक्षा से दो प्रश्न पूछे जायेंगे। एक का उत्तर देय है। 15

4) चतुर्थ प्रश्न में से दो करिकाओं की व्याख्या देय होगी। चार करिकाएँ पूछी जायेंगीं। 2×7½=15

5) पाँचवें प्रश्न में पूर्ण पाठ्यांश से चार आलोचनात्मक प्रश्न पूछे जायेंगे। एक प्रश्न का उत्तर देय है। 15

आन्तरिक मूल्यांकन–30 अंक

कोल्हान विश्वविद्यालय, चाईबासा

बी०ए० संस्कृत (प्रतिष्ठा) चतुर्थ समसत्र

B.A. Sanskrit (Hons.) Fourth Semester

Credit : 5+1 = 6

SAN-H-Core-10 **पूर्णांक–100**

दशम पत्र

परीक्षा की अवधि – 3 घंटे
अंक – 70
व्याख्यान प्रति सप्ताह
घंटे : 5–L, 1-T

उपनिषद्

इस पत्र में कुल 08 प्रश्न पूछे जायेंगे, जिनमें पाँच प्रश्नों के उत्तर देय होंगे। प्रश्न संख्या–01 (एक) अनिवार्य है।

पाठ्यक्रम :–

1) कठोपनिषद् (प्रथम अध्याय)

प्रश्न चयन संबंधी निर्देश :–

1) प्रथम प्रश्न में सम्पूर्ण पाठ्य पर आधारित वस्तुनिष्ठ दस (10) प्रश्न पूछे जायेंगे। सभी प्रश्नों के उत्तर देय है। 10×1=10

2) द्वितीय प्रश्न में पाठ्यांश से दो अंशों की संस्कृत व्याख्या अपेक्षित होगी। चार अंश पूछे जायेंगे। 2 × 7½ = 15

3) तृतीय प्रश्न में उपर्युक्त पाठ्यांश से पाँच श्लोकों का हिन्दी अनुवाद अपेक्षित होगा। आठ श्लोक पूछे जायेंगे। 5 × 3 = 15

4) चतुर्थ प्रश्न में पाठ्यांश से दो टिप्पणियाँ लिखनी होगी। चार टिप्पणियाँ पूछी जायेंगी। 2 × 7½ = 15

5) पाँचवें प्रश्न में कठोपनिषद् से दो आलोचनात्मक प्रश्न पूछे जायेंगे। एक का उत्तर देय है। 15

आन्तरिक मूल्यांकन–30 अंक

कोल्हान विश्वविद्यालय, चाईबासा

बी०ए० संस्कृत (अनुपूरक) चतुर्थ समसत्र

B.A. Sanskrit (SUB) Fourth Semester

Credit : 5+1
SAN-GE-04 **पूर्णांक–100**

GE-04

परीक्षा की अवधि – 3 घंटे
अंक – 70
व्याख्यान प्रति सप्ताह
घंटे : 5–L, 1-T

आस्तिक दर्शन

इस पत्र में कुल 08 प्रश्न पूछे जायेगे, जिनमें से चार प्रश्नों के उत्तर देय होंगे। प्रश्न संख्या–01 (एक) अनिवार्य है।

पाठ्यक्रम :–

1) आस्तिक दर्शन का सामान्य परिचय।
   (क) वेदान्त (ख) योग (ग) सांख्य

प्रश्न चयन संबंधी निर्देश :–
सभी प्रश्नों के उत्तर दें।

1) प्रथम प्रश्न सम्पूर्ण पाठ्य पर आधारित वस्तुनिष्ठ (रिक्त स्थानों की पूर्त्ति) दस (10) प्रश्न पूछे जायेंगे। 10 × 1 = 10
2) द्वितीय प्रश्न में आस्तिक दर्शन से एक प्रश्न के उत्तर देय होगा। तीन प्रश्न पूछ जायेंगे। 15
3) तृतीय प्रश्न में वेदान्त दर्शन से पाँच लघूत्तरीय प्रश्नों के उत्तर देय है। दस प्रश्न पूछे जायेंगे। 5×3=15
4) चतुर्थ प्रश्न में योग एवं सांख्य दर्शन से पाँच लघूत्तरीय प्रश्नो के उत्तर देय हैं, आठ प्रश्न पूछे जायेंगे। 5 × 3 = 15
5) पाँचवें प्रश्न में आस्तिक दर्शन से चार आलोचनात्मक प्रश्न पूछे जायेंगे। किसी एक का उत्तर देय है। 15

अनुशंस्ति पुस्तकें :–

1) भारतीय दर्शन – चटर्जी एवं दत्त
2) भारतीय दर्शन की रूपरेखा – प्रो० हरेन्द्र प्रसाद सिन्हा
3) भारतीय दर्शन – बलदेव उपाध्याय

आन्तरिक मूल्यांकन–30 अंक

कोल्हान विश्वविद्यालय, चाईबासा

बी०ए० संस्कृत (प्रतिष्ठा) पंचम समसत्र

B.A. Sanskrit (Hons.) Fifth Semester

Credit : 5+1 = 6
SAN-H-Core-11 **पूर्णांक–100**

एकादश पत्र

परीक्षा की अवधि – 3 घंटे
अंक – 70
व्याख्यान प्रति सप्ताह
घंटे : 5–L, 1-T

ज्योतिष एवं वेदांग

इस पत्र में कुल 08 प्रश्न पूछे जायेंगे, जिनमें चार प्रश्नों के उत्तर देय होंगे। प्रश्न संख्या–01 (एक) अनिवार्य है।

पाठ्यक्रम :–

1) पाठ्य पुस्तक – 1) मुहूर्तचिन्तामणि (नक्षत्र प्रकरण, संस्कार प्रकरण)
2) वेदांग।

प्रश्न चयन संबंधी निर्देश :–

1) प्रथम प्रश्न में सम्पूर्ण पाठ्य पर आधारित दस वस्तुनिष्ठ (रिक्त स्थानों की पूर्त्ति) दस (10) प्रश्न पूछे जायेंगे। 10×1=10

2) द्वितीय प्रश्न में मुहूर्तचिन्तामणि के उपर्युक्त दोनों प्रकरणों से पाँच श्लोकों का हिन्दी अनुवाद अपेक्षित है। कुल आठ श्लोक पूछे जायेंगे। 5 × 3 = 15

3) तृतीय प्रश्न में वेदांग से दो टिप्पणियाँ अपेक्षित है। कुल चार टिप्पणियाँ पूछी जायेंगीं। 2×7½=15

4) चतुर्थ प्रश्न में वेदांग पर आधारित पाँच लघूत्तरीय प्रश्नों के उत्तर देय होंगे। कुल आठ प्रश्न पूछे जायेंगे। 5 × 3 = 15

5) पाँचवें प्रश्न में सम्पूर्ण पाठ्यांश से चार आलोचनात्मक प्रश्न पूछे जायेंगे। एक प्रश्न का उत्तर देय है। 15

अनुशंस्ति पुस्तकें :–

1) मुहूर्तचिन्तामणि – व्याख्याकार–पं० विन्ध्येश्वरी प्रसाद द्विवेदी
2) संस्कृत साहित्य का इतिहास – आ० बलदेव उपाध्याय।

आन्तरिक मूल्यांकन–30 अंक

कोल्हान विश्वविद्यालय, चाईबासा

बी०ए० संस्कृत (प्रतिष्ठा) पंचम समसत्र

B.A. Sanskrit (Hons.) Fifth Semester

Credit : 5+1 = 6
SAN-H-Core-12 **पूर्णांक–100**

द्वादश पत्र

परीक्षा की अवधि – 3 घंटे
अंक – 70
व्याख्यान प्रति सप्ताह
घंटे : 5–L, 1-T

भाषा विज्ञान

इस पत्र में कुल 08 प्रश्न पूछे जायेंगे, जिनमें पाँच प्रश्नों के उत्तर देय होंगे। प्रश्न संख्या–01 (एक) अनिवार्य है।

पाठ्यक्रम :–

1) सामान्य भाषविज्ञान – (भाषा की उत्पत्ति, भाषा की परिभाषा, भारतीय आर्य भाषायें, पारिवारिक वर्गीकरण, वाक्य विज्ञान, रूप विज्ञान)

प्रश्न चयन संबंधी निर्देश :–

1) प्रथम प्रश्न में सम्पूर्ण पाठ्य पर आधारित दस वस्तुनिष्ठ (रिक्त स्थानों की पूर्त्ति) प्रश्न पूछे जायेंगे। 10×1=10
2) द्वितीय प्रश्न में भाषा की उत्पत्ति और भाषा की परिभाषा से दो प्रश्न पूछे जायेंगे, एक प्रश्न का उत्तर देय है। 10
3) तृतीय प्रश्न में उपर्युक्त पाठ्यांश से तीन टिप्पणियाँ अपेक्षित हैं। पाँच टिप्पणियाँ पूछी जायेंगी। 3 × 5 = 15
4) चतुर्थ प्रश्न में पारिवारिक वर्गीकरण से दो प्रश्न पूछे जायेंगे। एक का उत्तर देय है। 15
5) पाँचवें प्रश्न में सम्पूर्ण पाठ्यांश पर आधारित चार आलोचनात्मक प्रश्न पूछे जायेंगे, एक का उत्तर देय है। 15

अनुशंस्ति पुस्तकें :–

भाषा विज्ञान – डॉ० भोलानाथ तिवारी
भाषा विज्ञान की भूमिका – देवेन्द्रनाथ शर्मा

आन्तरिक मूल्यांकन–30 अंक

कोल्हान विश्वविद्यालय, चाईबासा

बी०ए० संस्कृत (प्रतिष्ठा) पंचम् समसत्र

B.A. Sanskrit (Hons.) Fifth Semester

Credit : 5+1 = 6
SAN-DSE-1A **पूर्णांक–100**

DSE-1A

परीक्षा की अवधि – 3 घंटे
अंक – 70
व्याख्यान प्रति सप्ताह
घंटे : 5–L, 1-T

दर्शन

इस पत्र में कुल 08 प्रश्न पूछे जायेंगे, जिनमें पाँच प्रश्नों के उत्तर देय होंगे। प्रश्न संख्या–01 (एक) अनिवार्य है।

पाठ्यक्रम :–

तर्कसंग्रह (अन्नमभट्ट)

प्रश्न चयन संबंधी निर्देश :–

1) तर्क संग्रह से दस वस्तुनिष्ठ प्रश्न पूछे जायेंगे। सभी का उत्तर देय है। 10 × 1 = 10

2) द्रव्यलक्षण प्रकरण से द्रव्य के नव भेदों में किन्हीं तीन भेदों का वर्णन देय है। 5×3=15

3) तर्कसंग्रह के आधार पर पदार्थ भेदों के वर्णन पूछे जायेंगे, किन्हीं दो भेदों का वर्णन करें। 2 × 7½ = 15

4) प्रत्यक्ष खण्ड में से किन्हीं चार प्रत्यक्षों के उत्तर पूछे जायेंगे, किन्हीं दो का सोदाहरण वर्णन करें। 2 × 7½ = 15

5) तर्क संग्रह से चार व्याख्यात्मक प्रश्न दिए जायेंगे। किसी एक का उत्तर देय है। 15

आन्तरिक मूल्यांकन–30 अंक

कोल्हान विश्वविद्यालय, चाईबासा

बी०ए० संस्कृत (प्रतिष्ठा) पंचम समसत्र

B.A. Sanskrit (Hons.) Fifth Semester

Credit : 5+1 = 6
SAN-DSE-1B **पूर्णांक–100**

DSE-1B

परीक्षा की अवधि – 3 घंटे
अंक – 70
व्याख्यान प्रति सप्ताह
घंटे : 5–L, 1-T

संस्कार आश्रम

इस पत्र में कुल 08 प्रश्न पूछे जायेंगे, जिनमें पाँच प्रश्नों के उत्तर देय होंगे। प्रश्न संख्या–01 (एक) अनिवार्य है।

पाठ्यक्रम :–

भारत का सामाजिक एवं सांस्कृतिक अध्ययन
रामजी उपध्याय।

प्रश्न चयन संबंधी निर्देश :–

1) प्रथम प्रश्न में पाठ्यांश से दस वस्तुनिष्ठ प्रश्न पूछे जायेंगे, सभी के उत्तर देय हैं। 10×1=10
2) भारतीय संस्कृति में आश्रमों में से किन्हीं दो का संक्षिप्त परिचय दें। 2 × 7½ = 15
3) प्राचीन भारतीय समाज में आश्रम व्यवस्था पर आलोचनात्मक प्रश्न पूछे जायेंगे। एक का उत्तर देय है। 15
4) किन्हीं तीन संस्कारों के परिचय पूछे जायेंगे, किसी एक संस्कार का महत्व प्रतिपादित करें। 15
5) पाँचवें प्रश्न में सम्पूर्ण पाठ्यांश से पाँच टिप्पणियाँ पूछी जायेंगी, किन्हीं दो पर टिप्पणी लिखें। 2 × 7½ = 15

आन्तरिक मूल्यांकन–30 अंक

स्नातक प्रतिष्ठा संस्कृत विभाग
कोल्हान विश्वविद्यालय, चाईबासा
झारखण्ड।

सत्र : 2017–2018 से प्रभावी

SAN-DSE-2B **पूर्णांक–100**

DSE-2B

परीक्षा की अवधि – 3 घंटे
अंक – 70
व्याख्यान प्रति सप्ताह
घंटे : 5–L, 1-T

इस पत्र में कुल 08 प्रश्न पूछे जायेंगे, जिनमें पाँच प्रश्नों के उत्तर देय होंगे। प्रश्न संख्या–01 (एक) अनिवार्य है।

<u>पाठ्यक्रम :–</u>

सन्धि प्रकरण (लघु सिद्धान्त कौमुदी) – चौखम्बा विद्या भवन, वाराणसी।
कारक प्रकरण (लघु सिद्धान्त कौमुदी)

प्रश्न चयन संबंधी निर्देश :–

1) कारक प्रकरण से दस वाक्यों की शुद्धि करें अथवा रिक्त स्थानों की पूर्त्ति करें :– 10×1=10

2) संधि प्रकरण से संधि की परिभाषा और भेदों की सोदाहरण व्याख्या देय है। सभी का वर्णन करें। 15

3) कारक की परिभाषा, कारक के भेद एवं कारक और विभक्ति में अन्तर सोदाहरण स्पष्ट करें। 5 × 3 = 15

4) संधि प्रकरण से पाँच सूत्रों की सोदाहरण व्याख्या पूछे जायेंगे, किन्हीं तीन की सोदाहरण व्याख्या देय है। 5 × 3 = 15

5) कारक प्रकरण एवं संधि प्रकरण से दस उदाहरण पूछे जायेंगे। किन्हीं पाँच उदाहरणों की सूत्र निर्देश पूर्वक सिद्धि करें। 5 × 3 = 15

आन्तरिक मूल्यांकन–30 अंक

कोल्हान विश्वविद्यालय, चाईबासा

बी०ए० संस्कृत (प्रतिष्ठा) पंचम समसत्र

B.A. Sanskrit (Hons.) Fifth Semester

Credit : 5+1 = 6

SAN-DSE-2A **पूर्णांक–100**

DSE-2A

परीक्षा की अवधि – 3 घंटे
अंक – 70
व्याख्यान प्रति सप्ताह
घंटे : 5–L, 1-T

हितोपदेश (नारायणभट्ट प्रणीत)

इस पत्र में कुल 08 प्रश्न पूछे जायेंगे, जिनमें पाँच प्रश्नों के उत्तर देय होंगे। प्रश्न संख्या–01 (एक) अनिवार्य है।

प्रश्न चयन संबंधी निर्देश :–

1) "हितोपदेश" से दस वस्तुनिष्ठ प्रश्न पूछे जायेंगे। 10 × 1 = 10
2) हितोपदेश के "कथामुख" से दो आलोचनात्मक प्रश्न पूछे जायेंगे। एक का उत्तर देय है। 15
3) हितोपदेश से चार कथाएँ पूछी जायेंगी, किन्हीं दो कथाओं को लिखना है। 2×7½=15
4) हितोपदेश से दस लघूत्तरीय प्रश्न पूछे जायेंगे। किन्हीं पाँच का उत्तर देय है। 5×3=15
5) संस्कृत कथा साहित्य पर चार प्रश्न पूछे जायेंगे, एक का उत्तर देय है। 15

आन्तरिक मूल्यांकन–30 अंक

कोल्हान विश्वविद्यालय, चाईबासा

बी०ए० संस्कृत (प्रतिष्ठा) षष्ठ समसत्र

B.A. Sanskrit (Hons.) Sixth Semester

Credit : 5+1 = 6
SAN-H-Core-13 **पूर्णांक–100**

त्रयोदश–पत्र

परीक्षा की अवधि – 3 घंटे
अंक – 70
व्याख्यान प्रति सप्ताह
घंटे : 5–L, 1-T

इस पत्र में कुल 08 प्रश्न पूछे जायेंगे, जिनमें पाँच प्रश्नों के उत्तर देय होंगे। प्रश्न संख्या–01 (एक) अनिवार्य है।

निबन्ध – (संस्कृत भाषा में)
अनुवाद – (संस्कृत से हिन्दी/अंग्रेजी अनुवाद)
अनुवाद – (हिन्दी/अंग्रेजी से संस्कृत अनुवाद)

प्रश्न चयन संबंधी निर्देश :–

1) निबंध लेखन एवं अनुवाद प्रक्रिया से दस वस्तुनिष्ठ प्रश्न पूछे जायेंगे। $10 \times 1 = 10$

2) किन्हीं चार संस्कृत लेखकों पर निबंध पूछे जायेंगे, जिनमें किन्हीं एक लेखक पर निबंध लिखना है। 15

3) चार साहित्यिक निबंध पूछे जायेंगे, जिनमें किसी एक विषय पर निबंध लिखना है। 15

4) किन्हीं चार समसामयिक निबंध पूछे जायेंगे, किसी एक पर निबंध लिखें। 15

5) संस्कृत से दो गद्यांश दिए जायेंगे, किसी एक का अनुवाद हिन्दी में करें और हिन्दी में दो गद्यांश दिए जायेंगे, जिनमें किसी एक का अनुवाद संस्कृत में करें। 15

आन्तरिक मूल्यांकन–30 अंक

कोल्हान विश्वविद्यालय, चाईबासा

बी०ए० संस्कृत (प्रतिष्ठा) षष्ठ समसत्र

B.A. Sanskrit (Hons.) Sixth Semester

Credit : 5+1 = 6
SAN-H-Core-14 **पूर्णांक–100**

चतुर्दश पत्र

परीक्षा की अवधि – 3 घंटे
अंक – 70
व्याख्यान प्रति सप्ताह
घंटे : 5–L, 1-T

इस पत्र में कुल 08 प्रश्न पूछे जायेंगे, जिनमें पाँच प्रश्नों के उत्तर देय होंगे। प्रश्न संख्या–01 (एक) अनिवार्य है।

पाठ्यक्रम :–

1) वैदिक साहित्य का इतिहास।
प्रकाशन–मोतीलाल बनारसी दास।

प्रश्न चयन संबंधी निर्देश :–

1) वैदिक साहित्य से दस वस्तुनिष्ठ प्रश्न पूछे जायेंगे। 10 × 1 = 10

2) वैदिक साहित्य में त्रयी की व्याख्या करें तथा किसी एक वेद पर प्रकाश डालें। 15

3) यज्ञ विज्ञान में वेदों के महत्व पूछे जायेंगे, जिनमें किसी एक वेद के महत्व पर प्रकाश डालें। 15

4) वैदिक साहित्य पर चार टिप्पणियाँ पूछी जायेंगी, जिनमें किन्हीं दो का उत्तर देय है। 2 × 7½ = 15

5) वैदिक साहित्य पर दस लघूत्तरीय प्रश्न पूछे जायेंगे, जिनमें किन्हीं पाँच का उत्तर देय है। 5 × 3 = 15

आन्तरिक मूल्यांकन–30 अंक

कोल्हान विश्वविद्यालय, चाईबासा

बी०ए० संस्कृत (प्रतिष्ठा) षष्ठ समसत्र

B.A. Sanskrit (Hons.) Sixth Semester

Credit : 5 + 1

SAN-DSE-3A **पूर्णांक–100**

DSE-3A

परीक्षा की अवधि – 3 घंटे
अंक – 70
व्याख्यान प्रति सप्ताह
घंटे : 5–L, 1-T

इस पत्र में कुल 08 प्रश्न पूछे जायेगें, जिनमें पाँच प्रश्नों के उत्तर देय होंगे। प्रश्न संख्या–01 (एक) अनिवार्य है।

पाठ्‌यक्रम :–

1) छन्दोमंजरी
(वंसथ आर्या, अनुष्टुप, इन्दंवज्रा, उपेन्द्रवज्रा, उपजाति, भुजंगप्रयात)

2) पत्र लेखन + आवेदन पत्र लेखन + व्यवसायिक पत्र लेखन।

प्रश्न चयन संबंधी निर्देश :–

1) प्रथम प्रश्न में छन्दोमंजरी से कुल दस वस्तुनिष्ठ प्रश्न पूछे जायेंगे। 10 × 1 = 10

2) छंद की परिभाषा एवं उदाहरण पूर्वक पाँच छन्द पूछे जायेंगे, जिनमें तीन का उत्तर देय है। 5 × 3 = 15

3) संस्कृत में अपने पिता, माता, मित्र अथवा अनुज में से किसी एक के पास यात्रा विवरण देते हुए पत्र लिखें। 15

4) प्राचार्य के पास संस्कृत में अवकाश के लिए, शुल्क क्षमा करने के लिए अथवा छात्रावास में स्थान पाने के लिए तीन पत्र पूछे जायेंगे, उनमें किसी एक विषय पर आवेदन पत्र लिखें। 15

5) व्यवसायिक पत्र के अन्तर्गत, प्रकाशक, थोक विक्रेता, कार्यालय के सहकर्मी, अथवा भवन निर्माण में से किसी एक विषय पर पत्र लिखें। 15

आन्तरिक मूल्यांकन–30 अंक

कोल्हान विश्वविद्यालय, चाईबासा

बी०ए० संस्कृत (प्रतिष्ठा) षष्ठ समसत्र

B.A. Sanskrit (Hons.) Sixth Semester

SAN-DSE-3B **पूर्णांक–100**

DSE-3B

परीक्षा की अवधि – 3 घंटे
अंक – 70
व्याख्यान प्रति सप्ताह
घंटे : 5–L, 1-T

इस पत्र में कुल 08 प्रश्न पूछे जायेगें, जिनमें पाँच प्रश्नों के उत्तर देय होंगे। प्रश्न संख्या–01 (एक) अनिवार्य है।

पाठ्यक्रम :–

1) आधुनिक संस्कृत साहित्य।

क) आधुनिक संस्कृत कवयित्रियाँ – (पं० क्षमाराव, श्रीमती कमलारत्नम्, डॉ० अर्चना कुमारी दूबे, डॉ० वनमाला भावलकार, डॉ० मनोरमा तिवारी)

प्रकाशक – नवजीवन पब्लिकेशन, निवाई (टोंक, राजस्थान)

ख) आधुनिक संस्कृत रचनाकार – डॉ० बलदेव उपध्याय, डॉ० रामाशीष पाण्डेय, डॉ० रमाकान्त शुक्ल।

प्रश्न चयन संबंधी निर्देश :–

1) सम्पूर्ण पाठ्य पर आधारित दस वस्तुनिष्ठ प्रश्न पूछे जायेंगे। 10

2) द्वितीय प्रश्न में किन्हीं दो कवयित्रियों के नाम दिए जायेंगे, जिनमें एक का व्यक्तित्त्व एवं कृतित्त्व पर प्रकाश डालें। 15

3) आधुनिक रचनाकारों में किसीएक रचनाकार के व्यक्तित्त्व और कृतित्त्व पर प्रकाश डालें। 15

4) किन्हीं चार पुस्तकों के नाम पूछे जायेंगे। एक पुस्तक की समीक्षा करें। 15

5) आधुनिक रचनाकारों में पाँच नाम दिये जायेंगे, जिनमें किन्हीं दो पर टिप्पणी लिखें। 2×7 ½=15

आन्तरिक मूल्यांकन–30 अंक

कोल्हान विश्वविद्यालय, चाईबासा

बी०ए० संस्कृत (प्रतिष्ठा) षष्ठ समसत्र

B.A. Sanskrit (Hons.) Sixth Semester

Credit : 5+1

SAN-DSE-4 पूर्णांक–100

परियोजना

(Project Work)

षष्ठ समसत्र के अन्त में सम्पूर्ण पाठ्यक्रम पर आधारित विषय छात्र/छात्राओं को दिए जायेंगे। किसी एक विषय पर न्यूनतम पचास (50) पृष्ठों की परियोजना हिन्दी/संस्कृत किसी एक भाषा में प्रस्तुत करनी है।

परियोजना में छात्र/छात्राओं को सौ (100) अंकों की प्राप्ति होगी।

कुल अंक	–	100 (सौ)
लेखिकी	–	70 (सत्तर)
मौखिकी	–	30 (तीस)